पीएम मोदी ने वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 23 मार्च. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर को श्रद्धांजलि दी और भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में उनकी शहादत को एक निर्णायक पल के रूप में याद किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज, हम भारत माता के वीर सपूतों - भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव - के सामने श्रद्धा से नतमस्तक हैं।

राष्ट्र के लिए उनकी शहादत हमारी सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए अंकित है। श्री मोदी ने कम उम्र में ही उनके साहस और समर्पण को रेखांकित करते हुए कहा कि इन तीनों का बलिदान आज भी कई पीढ़ियों को प्रेरित करता है. उन्होंने कहा, कम उम्र में ही उन्होंने असाधारण साहस और भारत की स्वतंत्रता के उद्देश्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया. औपनिवेशिक शासन की ताकत से बिना डरे, उन्होंने पूरे दृढ़ विश्वास के साथ बलिदान का मार्ग चुना, और राष्ट्र को अपने जीवन से भी ऊपर रखा.

उन्होंने उनके आदर्शों की चिरस्थायी प्रासंगिकता पर भी जोर दिया. उन्होंने आगे कहा कि न्याय, देशभक्ति और निडर प्रतिरोध के उनके आदर्श आज भी अनगिनत भारतीयों के मन में जोश भरते हैं. भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव देश के स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे सम्मानित क्रांतिकारियों में से हैं। ब्रिटिश अधिकारी जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या में उनकी भूमिका के लिए ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार द्वारा 23 मार्च, 1931 को उन्हें फांसी दे दी

मोदी ने डॉ. लोहिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और एक बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में याद किया. श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डॉ. राम मनोहर लोहिया जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। वे एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे, जिन्होंने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लोगों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई और और 1947 के बाद भारत की प्रगति में भी योगदान दिया।

बलिदानियों का त्याग भारत के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय : योगी

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलिदान दिवस के अवसर पर महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की. मुख्यमंत्री ने कहा कि इन अमर बलिदानियों का त्याग भारत के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने उनके साहस, समर्पण और राष्ट्रप्रेम को प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत बताया.

पूर्व सीएम केजरीवाल ने वीरों को किया नमन

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान को किया याद

नई दिल्ली, 23 मार्च। शहीद दिवस के अवसर पर देशभर में स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। इस मौके पर अरविन्द केजरीवाल ने भी अमर शहीदों को याद करते हुए भावपूर्ण संदेश साझा किया।

उन्होंने, भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि इन वीर सपूतों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में लिखा कि इन महान

क्रांतिकारियों का साहस, देशभक्ति और समर्पण आज भी हर भारतीय को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि शहीदों के सपनों का भारत बनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शहीद दिवस हर साल 23 मार्च को मनाया जाता है, जब इन तीनों क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

केजरीवाल ने कहा कि इन वीर सपूतों ने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और उनका बलिदान हमेशा देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि शहीदों के सपनों का भारत बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। 23 मार्च का दिन भारतीय इतिहास में विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन 1931 में इन तीनों क्रांतिकारियों को अंग्रेजी हुकूमत ने फांसी दी थी। उनके बलिदान ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी और युवाओं में आजादी के लिए जोश भर दिया।

बेरिंग सागर में 6.1 तीव्रता का भूकंप

अलास्का/मॉस्को, 23 मार्च। उत्तरी प्रशांत क्षेत्र में स्थित बेरिंग सी में सोमवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आने से भू-वैज्ञानिक हलचल एक बार फिर चर्चा में आ गई है. नेशनल सेण्टर फॉर सीस्मोलोग्य (एनसीएस) के अनुसार यह भूकंप सुबह 10ः41 बजे आया और इसका केंद्र समुद्र के भीतर लगभग 45 किलोमीटर की गहराई पर था. हालांकि फिलहाल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन इस घटना ने वैज्ञानिकों का ध्यान इस क्षेत्र की जटिल भूगर्भीय संरचना की ओर खींचा है.

शाह ने गुरु हरगोबिंद साहिब को किया याद

नई दिल्ली, 23 मार्च. सिख धर्म के छठे गुरु गुरु हरगोबिंद साहिब के ज्योति-ज्योत दिवस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में शाह ने गुरु साहिब के कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और लोगों से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया.

इस अवसर पर उन्होंने गुरु साहिब के जीवन और उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज को दिशा देने वाले हैं. अमित शाह ने विशेष रूप से गुरु हरगोबिंद साहिब द्वारा स्थापित संत-सिपाही परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परंपरा न केवल सिख धर्म, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायक है. उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने धर्म की रक्षा के साथ-साथ समाज में साहस, सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत किया.

भाजपा, पीएमके और एएमएमके ने अन्नाद्रमुक के साथ सीट बंटवारे का किया समझौता

चेन्नई, 23 मार्च। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), डॉ. अंबुमणि के नेतृत्व वाले वन्नियार-ओबीसी बहुल पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) गुट और टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाले एएमएमके ने सोमवार को अन्नाद्रमुक के साथ सीट बंटवारे का समझौता किया।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव

यह समझौता भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में हुआ। श्री पीयूष तमिलनाडु के चुनाव प्रभारी भी हैं। समझौते के अनुसार, भाजपा को 27 सीटें आवंटित की गईं, जो 2021 के चुनावों में लड़ी गई सीटों से सात अधिक हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद निर्वाचित अंबुमणि को 18 सीटें आवंटित की गईं और श्री दिनाकरन, जिन्हें कुछ महीने पहले राजग छोड़ने के बाद फिर से शामिल किया गया था उनकी पार्टी को 11 सीटें आवंटित की गईं। राजग के तीन मुख्य सहयोगी दलों को सीटों के आवंटन की घोषणा श्री गोयल, अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी (जो गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भी हैं), पीएमके, एएमएमके और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने की। सीट बंटवारे के समझौते पर श्री गोयल और गठबंधन के सभी सहयोगी दलों के नेताओं ने शहर स्थित अन्नाद्रमुक पार्टी कार्यालय में हुई अंतिम दौर की वार्ता के बाद हस्ताक्षर किए। रिपोर्टों के अनुसार, भाजपा ने 30 सीटों की मांग की थी, लेकिन वार्ता के दौरान वह 27 सीटों पर सहमत हो गई।

चुनाव में दलों को फ्री एयरटाइम ईसी ने दिए वाउचर

नई दिल्ली, 23 मार्च. चुनाव आयोग ने असम, केरल सहित चार राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्र पुडुचेरी में विधान सभा चुनाव के दौरान वहां चुनाव लड़ने वाले राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त दलों को दूरदर्शन और आकाशवाणी पर निःशुल्क प्रसारण-समय के लिए डिजिटल वाउचर आवंटित किए हैं. आयोग ने सोमवार को कहा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 39 ए के तहत असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनावों के दौरान दूरदर्शन और आकशवाणी पर राष्ट्रीय और राज्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को प्रसारण और टेलीकास्ट

समय आवंटित करने के लिए निर्देश जारी किए हैं. इस निर्देश के अनुसार आईटी प्लेटफॉर्म के माध्यम इन राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों को विधान सभा चुनावों हेतु डिजिटल समय वाउचर जारी किए गए हैं. इन चुनावों में इन सरकारी प्रसारण संस्थानों पर प्रसार की अवधि प्रत्येक चरण में उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित होने की तिथि से लेकर मतदान की तिथि से दो दिन पहले तक निर्धारित की जाएगी.

पीएम मोदी एक व्यक्ति नहीं, एक संस्था हैं

नई दिल्ली, 23 मार्च। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 8,931 दिनों के सार्वजनिक कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए उनकी जमकर सराहना की। श्री चौहान ने कहा कि श्री मोदी एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक संस्था हैं।

श्री चौहान ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी अब भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित सरकार के मुखिया रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने कहा कि इतने लंबे कार्यकाल को कुछ शब्दों में समेटना संभव नहीं है, क्योंकि श्री मोदी अपने आप में एक संस्था हैं। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिन-रात मेहनत कर देश

सेवा का उदाहरण पेश किया है। उनका समर्पण और कार्यशैली हर किसी के लिए प्रेरणा है। जब प्रधानमंत्री मोदी की माता का निधन हुआ, तब भी उन्होंने अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता दी। पारिवारिक जिम्मेदारी निभाने के बाद वह तुरंत अपने तय कार्यक्रम में शामिल हुए, जो उनके कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव को दर्शाता है।

श्री चौहान ने कहा कि देश ने 2011 से 2013 के बीच के वह दिन भी देखे हैं, जब चारों ओर भ्रष्टाचार और घोटालों की चर्चा होती थी। उस समय जनता निराश थी, लेकिन श्री मोदी आशा और विश्वास के प्रतीक बनकर सामने आए। उन्होंने कहा कि 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में विकास का एक नया दौर शुरू हुआ। आज भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और उनका यह लंबा सार्वजनिक जीवन राष्ट्र सेवा और समर्पण का प्रतीक है।

एलपीजी सिलेंडर को लेकर अफवाहें, सरकार ने किया साफ इनकार

नई दिल्ली, 23 मार्च। देश में एलपीजी सिलेंडर को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा था कि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर में गैस की मात्रा घटाकर 10 किलोग्राम की जा सकती है। हालांकि सरकार ने इन खबरों को पूरी तरह भ्रामक बताया। सरकार ने कहा है कि ऐसा कोई प्रस्ताव या विचार नहीं है और लोगों से अपील की गई है कि वे इस तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। यह भ्रम उस समय फैला जब मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में संभावित बाधाओं के कारण तेल और गैस सप्लाई को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं।

संसद में पीएम मोदी के बयान पर प्रियंका ने रखी चर्चा की मांग

नई दिल्ली, 23 मार्च। कांग्रेस सांसद और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर जो बयान दिया है उसमें कोई नई बात सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि संसद के बजट सत्र के दूसरे भाग के दौरान सोमवार को प्रधानमंत्री ने लोकसभा में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर बयान दिया जिसमें उन्होंने भारतीय नागरिकों की सुरक्षित देशवापसी से लेकर एलपीजी जैसी जरूरी व्यवस्थाओं पर सरकार के कदमों की जानकारी दी। श्रीमती वाड्रा ने इस बयान पर प्रतिक्रिया करते हुए संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को मौजूदा परिस्थितियों से अवगत कराया है, लेकिन उनके बयान में कोई नई बात सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए, ताकि सभी पक्ष अपनी बात रख सकें और देश के सामने हर दृष्टिकोण आए।

चुनाव ड्यूटी से पहले जवानों को भाषा प्रशिक्षण

कोलकाता, 23 मार्च। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में जिला प्रशासन ने चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात केंद्रीय बलों के जवानों को बंगाली भाषा का बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करने का निर्णय लिया है ताकि आम लोगों के साथ संवाद में कठिनाई से बचा जा सके। प्रशासन के सूत्रों ने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य गलतफहमी को रोकना और मतदाताओं का विश्वास बढ़ाना है। यह कदम जनसंपर्क को मजबूत करने और शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित

▶ गलतफहमी रोकने और विश्वास बढ़ाने की कोशिश

करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। जिलाधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी जितिन यादव ने रविवार शाम कूचबिहार में अपने कार्यालय में आयोजित एक बैठक में केंद्रीय बलों के नोडल अधिकारियों के साथ इस संबंध में विस्तृत चर्चा की। बैठक में अन्य राज्यों से तैनात कर्मियों के सामने आने वाली भाषा की बाधा एक प्रमुख चिंता के रूप में उभरी। इसे दूर करने के लिए, प्रशासन ने केंद्रीय बल के जवानों को बुनियादी बंगाली और आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले हिंदी-बंगाली मिश्रित वाक्यों में प्रशिक्षित करने का फैसला किया है। अधिकारियों का मानना है इससे वे निवासियों से सरल प्रश्न पूछ सकेंगे जैसे कि क्या उन्हें कोई समस्या हो रही है, क्या वे खतरा महसूस कर रहे हैं, या उन्हें सहायता की आवश्यकता है।

असम चुनाव में जेएमएम की एंट्री

गुवाहाटी, 23 मार्च। असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं और इस बार मुकाबला और भी दिलचस्प होता नजर आ रहा है। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने भी चुनावी मैदान में उतरते हुए 21 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी का यह कदम राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर रहा है। वह असम में अपनी पकड़ मजबूत करने और क्षेत्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के उद्देश्य से चुनाव लड़ रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को लगायी फटकार

नई दिल्ली, 23 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें चिंगरीहाटा में मेट्रो की ऑरेंज लाइन के 366 मीटर के हिस्से के निर्माण के लिए लगातार दो सप्ताहांत की रातों में यातायात रोकने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश में कोई खामी नहीं पाई गयी और राज्य का रुख परियोजना में देरी करने और उसे रोकने के उद्देश्य से एक अड़ियल रवैये को दर्शाता है।

आगामी चुनावों के संबंध में दी गई दलील पर न्यायालय ने कहा कि परियोजना आदर्श आचार संहिता लागू होने से काफी पहले शुरू हो गई थी और उस आधार पर इसे रोका नहीं जा सकता। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि ऐसे आधारों का उपयोग आवश्यक सार्वजनिक कार्यों में देरी करने के बहाने के रूप में नहीं किया जा सकता है।

न्यायालय ने कहा कि अस्थायी यातायात प्रतिबंधों से बचने के लिए त्योहारों के सीजन और आगामी चुनावों का हवाला देना अनुचित है और यह एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक परिवहन परियोजना को आगे बढ़ाने में अनिच्छा को दर्शाता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों को त्योहारों या आगामी चुनावों के आधार पर रोका नहीं जा सकता है। पीठ ने जोर दिया कि एक लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार का कर्तव्य ऐसे विकास कार्यों को बाधित करने के बजाय सुगम बनाना है, न कि विकास गतिविधियों पर त्योहारों को प्राथमिकता देना।

ईरान ने सीजफायर के लिए रखीं नई शर्तें

- **वैश्विक अर्थव्यवस्था और तेल सप्लाई पर मंडरा रहा खतरा**
- **24वें दिन भी थमा नहीं युद्ध, ईरान की 3 बड़ी मांगें**

तेहरान/वॉशिंगटन/तेल अवीव, 23 मार्च. मिडिल ईस्ट में जारी अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग अब 24वें दिन में प्रवेश कर चुकी है और हालात पहले से ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं।

जहां एक तरफ बेंजामिन नेतन्याहू की अगुवाई में इजराइल लगातार जवाबी हमले कर रहा है, वहीं ईरान ने सीजफायर के लिए तीन नई सख्त शर्तें रखकर संघर्ष को और जटिल बना दिया है. ईरान का साफ कहना है कि जब तक उसकी शर्तें पूरी नहीं होतीं, वह सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा. इस बीच डोनाल्ड ट्रम्प ने भी ईरान को होर्मुज स्ट्रेट खोलने का अल्टीमेटम दिया है.

ट्रंप वही भाषा बोल रहे हैं, जो ईरान को समझ आती है- स्कॉट बेसेंट

वॉशिंगटन/तेहरान, 23 मार्च. मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच टकराव और गहराता जा रहा है। इस बीच स्कॉट बेसेंट ने डोलाल्ड ट्रम्प की आक्रामक नीति का खुलकर समर्थन करते हुए साफ संकेत दिए हैं कि अमेरिका किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। एक इंटरव्यू में बेसेंट ने कहा कि ट्रंप द्वारा ईरान को दी गई कड़ी चेतावनी कोई भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है, जिसका उद्देश्य युद्ध को रोकना है। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार शांति स्थापित करने के लिए तनाव बढ़ाना जरूरी हो जाता है। खासकर तब, जब सामने वाला पक्ष केवल सख्त संदेश ही समझता हो।

ऊर्जा झटका : 1970 के दशक के संकट से भी बदतर

कैनबरा, 23 मार्च. अमेरिका-इजरायल के ईरान के साथ युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट बेहद गंभीर है और यह 1970 के दशक केनु तेल संकट से भी बदतर हो गया है. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को यह चेतावनी दी, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को खतरा बना हुआ है.

खरात मामले में किसी को बख्शा नहीं जाएगा : फडणवीस

मुंबई, 23 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि अशोक खरात मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी और दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

श्री फडणवीस ने इस मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि आरोपी अशोक खरात ने कथित तौर पर अलौकिक शक्तियों के दावों का दुरुपयोग करके कई महिलाओं का शोषण किया और उनके खिलाफ गंभीर अपराध किए। उन्होंने जोर दिया कि आरोपों की प्रकृति इस

मामले को बेहद चिंताजनक बनाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस पिछले कुछ समय से इस मामले पर काम कर रही थी और जांच के हिस्से के रूप में एक रणनीतिक जाल बिछाया गया था। उन्होंने खुलासा किया कि आरोपी को देश छोड़ने से रोकने के लिए एक अन्य जिले में दर्ज शिकायत के आधार पर 10 मार्च को ही लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी कर दिया गया था।

शर्त पूरा होने पर ही मदद मिलेगी : निर्मला

नयी दिल्ली, 23 मार्च। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि संकटग्रस्त आवास योजनाओं को पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है लेकिन परियोजना की शर्तों का इसमें पूरा होना आवश्यक है तभी परियोजना के लिए मदद दी जा सकती है।

श्रीमती सीतारमण ने लोकसभा में सोमवार को एक सवाल के जवाब में कहा कि %संकटग्रस्त आवास परियोजनाओं के लिए %स्वामीह% योजना% के तहत पहला चरण 2022 तक चला। इस चरण के लिए 15000 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए थे और इसमें 10000 करोड़ रुपये

ही खर्च हुए हैं। वर्ष 2022 के बाद के बाद दूसरी योजना चल रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए कुछ शर्तें रखी गई है और उन सबका का पूरा होना आवश्यक है। इसके लिए सीमा तय की गई है और यदि प्रोजेक्ट पूरा नहीं हुआ है तो फिर उसके लिए स्वामी योजना उपलब्ध नहीं होगी। उन्होंने बताया कि स्वामी योजना के लिए छह शर्तें रखी गई है। यदि इस योजना का लाभ लेना है तो हर योजना के लिए इन शर्तों का पूरा होना आवश्यक है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि योजना का पहला चरण पूरा हो चुका है लेकिन उन्हें मालूम है कि अब भी बहुत सारे लोग हैं जिन्हें अभी इसका लाभ नहीं मिल पाया है। उनका कहना था कि इन योजनाओं के लिए जहां जरूरी शर्तें पूरी हैं वहां परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है। इसके तहत राजस्थान, कर्नाटक में छह-छह और कई राज्यों में परियोजनाएं चल रही है।

पांच वर्षों में एक करोड़ को रोजगार

अरवल, 23 मार्च। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने आज समृद्धि यात्रा के क्रम में अरवल जिला अंतर्गत बेलखरा के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिले से संबंधित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की।

उन्होंने प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विभिन्न योजनाओं के

क्रियान्वयन के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। समीक्षा बैठक के दौरान अरवल की जिलाधिकारी श्रीमती अमृषा बैंस ने प्रगति यात्रा से संबंधित योजनाओं, सात निश्चय-2 की योजनाओं तथा सात निश्चय-3 की योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री कुमार को विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने जिले में किए जा रहे अन्य विकास कार्यों की भी जानकारी दी। श्री कुमार ने समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रगति यात्रा से संबंधित जिन योजनाओं की स्वीकृति दी गई है, उनका क्रियान्वयन तेजी से करें। सात निश्चय-2 के तहत जो योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनका बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-3 के तहत जो योजनाएं निर्धारित की गई हैं, उस पर बेहतर ढंग से कार्य शुरू करें।